• रहस्य...

क्रिसमस पर मोजे

हर साल 25 दिसंबर को क्रिसमस डे मनाया जाता है। इस दिन क्रिसमस डे के साथ - साथ ईसाई धर्म के लोग प्रभु यीशु के जन्म दिवस के रूप में भी मनाते है। क्रिसमस से कुछ दिन पहले से ही लोग क्रिसमस की तैयारियों में जुट जाते हैं और अपने-अपने घरों को सुंदर तरीके सजाते हैं। वहीं ऐसे में इन दिन खिड़कियों पर या फिर क्रिसमस ट्री पर मौजे भी लटकाए जाते है। लेकिन क्या आप जानते है कि मौजे क्यों लटकाए जाते है।

क्रिसमस ट्री पर मोजे लटकाने के पीछे एक बेहद ही दिलचस्प कहानी है। ऐसा कहा जाता है कि एक बेहद गरीब व्यक्ति की दो बेटियां थी। व्यक्ति ने अपनी दोनों बेटियों को पाल - पोश कर बड़ा किया और जब वे तीनों लड़कियां बड़ी हो गई। जिसके बाद व्यक्ति को उनकी शादी की चिंता सताने लगी। उस व्यक्ति के पास इतनी पूंजी नहीं थी कि वह अपनी दोनों बेटियों की शादी कर सके। शादी की चिंता कर - कर के वह बहुत परेशान रहने लगा। कुछ दिनों बाद जब 25 दिसंबर यानी क्रिसमस का पर्व आया। उस दिन उस व्यक्ति की दोनों बेटियों ने प्रभु यीशु से सच्चे मन से प्रार्थना की और उनसे मदद मांगी। प्रार्थना करने के बाद व्यक्ति की दोनों

लड़कियों ने क्रिसमस ट्री की अच्छे से सजावट कर रात में अपने-अपने कमरे में सोने के लिए चली गईं। ऐसा कहा जाता है उस समय यानी क्रिसमस की रात पर सैंट निकोलस ने उस गरीब इंसान की मदद की। सैंट निकोलस ने सर्द रात में चिमनी में सोने से भरी एक थैली डाली और वह थैली चिमनी के पास रखे हुए एक मोजे में जाकर गिर गई।

वहीं फिर अगली सुबह जब उस व्यक्ति को वह सोने से भरी थैली मिलती है तो वह उन पैसों से अपनी बेटियों की खुशी-खुशी शादी कर देता है। ऐसा कहा जाता है कि इसके बाद से ही लोग क्रिसमस के दिन क्रिसमस ट्री पर मोजा सजा कर अपने-अपने घरों में रखते हैं, ताकि जैसे प्रभु यीशु ने उन दो लड़कियों की प्रार्थना सुनकर उनकी सारी इच्छाएं पूरी करी थी। वैसे ही सबकी भी प्रार्थना पूरी करें।

• ये है...

सांता क्लॉस का गांव

क्रिसमस के त्योहार को आने में केवल कुछ ही दिन बचे हुए हैं, भारत के हर शहर में इसको लेकर खूब तैयारियां देखें को मिल रही हैं। जैसा कि आप सभी जानते हैं ये फेस्टिवल बच्चों का सबसे पसंदीदा होता है, उनके हिसाब से इस दिन सांता क्लॉस आते हैं, और उन्हें गिफ्ट्स देकर जाते हैं। खैर, ऐसा असल में बिल्कुल नहीं होता, लेकिन ऐसा एक जगह होता है। जी हां, सांता क्लॉस गांव में रहते हैं, जिनसे मिलने के बच्चे भी पहुंच जाते हैं। बच्चों के प्यारे सांता फिनलैंड के एक गांव में रहते हैं।

जानकार शायद आप हैरान रह जाएंगे, हमेशा बर्फ हमेशा से ढके रहने वाले फिनलैंड के लैपलैंड में सांता क्लॉज का गांव मौजूद है। इस गांव का नाम रोवानिएमी है, खास बात तो ये है कि गांव को ऑफिशियल रूप से सांता क्लॉज के गांव का दर्जा हासिल है। यहां वे सालभर बच्चों के लिए गिफ्ट्स पैक करते हैं। हर साल यहां दुनियाभर से बच्चे सांता क्लॉज से मिलने के लिए जाते हैं।

सांता क्लॉज के गांव 23 दिसंबर से क्रिसमस सीलब्रेशन की धूम देखने को मिलती है। इस सेलिब्रेशन की शुरुआत में सैंटा इज ऑन हिज वे नाम से इवेंट से की जाती है। इस दिन सांता क्लॉज लोगों से मिलने के लिए निकल पड़ते हैं, इस तरह से यहां क्रिसमस के त्योहार की शुरुआत होती है। सांता क्लॉज के इस गांव में हर जगह रौनक दिखाई देगी, यहां बोरियत का तो कोई सवाल ही नहीं है। यहां आप कई शानदार कैफे के साथ-साथ रेस्तरां और वहां की सबसे खास जगह पोस्ट ऑफिस भी देख सकते हैं।

बता दें कि सांता क्लॉज के इस गांव में हर तरफ चिट्ठियां और खिलौने रखे हुए दिख जाएंगे। दिलचस्प बात तो ये है सांता क्लॉज यहां आईं चिट्ठियों को पढ़ते हैं और इसका बच्चों और बड़ों को जवाब भी देते हैं। दरअसल, साल भर में सांता केवल दो काम करते हैं, पहला वो चिट्ठियां पढ़ते हैं और उनका जवाब देते हैं, और दूसरा बच्चों को भेजे जाने वाले खिलौनों की वर्कशॉप का ध्यान रखते हैं।

फिनलैंड में घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यहां की नॉर्दन लाइट्स, सांता क्लॉज विलेज, हेलसिंकी, लेवि, टुरकु, पौरवू, सवोनलिन्ना जैसी जगहों पर घूमने के लिए जा सकते हैं।

क्रिसमस ट्री ...

25 दिसंबर को लेकर मान्यता है कि ईसा के जन्म की खुशी में स्वर्ग के दूतों ने फर्न के पेड़ों को रोशनियों, फूलों और सितारों से सजा दिया था। उन्हीं की याद में क्रिसमस के दिन क्रिसमस ट्री को सफेद रुई, लाइट, टॉफियों और छोटे-छोटे उपहारों से सजाया जाता है। क्रिसमस ट्री का सिर्फ क्रिसमस के पर्व पर ही नहीं, बल्कि वास्तु शास्त्र में भी बहुत ज्यादा महत्व है...

क्रिसमस का पर्व ईसाई धर्म के लोगों के लिए सबसे बड़ा त्योहार है। इस पर्व को भारत समेत पूरा विश्व मनाता है। लेकिन आजकल इस त्योहार को सभी धर्मों के लोग बड़े उत्साह के साथ मनाते है। घरों में रोशनी कर एक दूसरे को उपहार देकर बधाईयां देते हैं। इस पर्व में क्रिसमस ट्री का बेहद ही खास महत्व होता है। 25 दिसंबर को लेकर मान्यता है कि ईसा के जन्म की खुशी में स्वर्ग के दूतों ने फर्न के पेड़ों को रोशनियों, फूलों और सितारों से सजा दिया था। उन्हीं की याद में क्रिसमस के दिन क्रिसमस ट्री को सफेद रुई, लाइट, टॉफियों और छोटे-छोटे उपहारों से सजाया जाता है। क्रिसमस ट्री का सिर्फ क्रिसमस के पर्व पर ही नहीं, बल्कि वास्तु शास्त्र में भी बहुत ज्यादा महत्व है। क्रिसमस ट्री से जुड़े कुछ उपाय करने से घर-परिवार में खुशहाली आती है।

● घर में क्रिसमस ट्री परिवार के सदस्यों के बीच रिश्तों को सौहार्दपूर्ण बनाता है, जिससे घर में तनाव नहीं होता है। साथ ही परिवार के सदस्य मिलजुलकर प्रेम से रहते हैं।

● वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करने के लिए क्रिसमस ट्री एक अच्छा विकल्प है। मान्यता है कि इसे रखने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होने लगता है।

● क्रिसमस ट्री को लाइट और रिबन से सजाया जाता है। वहीं कुछ लोग क्रिसमस ट्री पर घंटी भी बांधते हैं। फेंगशुई के अनुसार घंटी बजने पर इससे निकलने वाली ध्वनि पूरे घर में नई सकारात्मक ऊर्जा लेकर आती है।

● क्रिसमस ट्री का ऊपरी भाग तिकोना और ऊपर की ओर बढ़ता हुआ होता है जिसे वास्तु में तरक्की,उन्नति एवं समृद्धि का प्रतीक माना गया है। मान्यता के अनुसार घर में क्रिसमस ट्री लगाने से तरक्की के नए-नए अवसर मिलते हैं। वहीं इसे ऑफिस में रखेंगे तो कारोबार में वृद्धि होगी।

● क्रिसमस ट्री रखने से घर में बच्चों की सेहत ठीक रहती है, मानसिक तौर पर भी बच्चे स्वस्थ्य रहते हैं। मान्यता है कि क्रिसमस ट्री को मोमबत्ती से सजाने पर घर में बच्चों की सोच सकारात्मक होती है।

● क्रिसमस ट्री पर लाल रंग के रिबन में बांधकर तीन सिक्के लटकाए जाएं तो घर में धन की कमी नहीं होती है।

● क्रिसमस ट्री पर लगाए जाने वाले सितारे जीवन में उत्साह और उमंग का संचार करते हैं।

क्रिसमस ट्री डेकोरेशन के लिए जरूरी सामान

आपको क्रिसमस के लिए अपनी एक लिस्ट तैयार करनी है, जिसमें क्रिसमस ट्री को डेकोरेट करने के लिए जिन चीजों की आवश्यकता है उन सभी को क्रिसमस से पहले ही लिखकर रख लेना है। लिस्ट में सबसे पहले उन आइटम्स को लिख लें जिन्हें आपको बाजार से खरीदना है, जैसे रिबन, रंगबिरंगी लाइट्स, गिफ्ट्स, बॉल्स, डेकोरेटिव पेपर, क्रिसमस रिंग्स और घंटियां आदि. लिस्ट और अपनी जरूरत के अनुसार अपनी खरीदारी पहले ही खत्म कर लें और खरीदारी करने के बाद क्रिसमस ट्री को डेकोरेट करने के आइडिया सोच लें।

ऐसे डेकोरेट करें क्रिसमस ट्री

क्रिसमस ट्री डेकोरेट करने के लिए आप उसके ऊपर टॉफी, चॉकलेट, छोटे छोटे गिफ्ट्स, रंग बिरंगे कागजों पर अपने पूरे परिवार के लिए छोटे छोटे मैसेज, लाल और सफेद रंग की बॉल्स, क्रिसमस रिंग्स और छोटी छोटी घंटियां लगाकर डेकोरेट करें। अपने परिवार और खासकर बच्चों के लिए गिफ्ट आइडियाज सोचकर पहले ही खरीद लें और उन्हें अच्छे से कलर्ड पेपर में लपेटकर रात में ट्री के पास ही रखें. आप छोटे-छोटे गिफ्ट्स जैसे कप, कॉफी मग, पैन या कार्ड आदि अपने रिश्तेदारों और दोस्तों के लिए खरीद सकते हैं। क्रिसमस ट्री को सजाने में बच्चों की मदद जरूर लें, उस दौरान आप अपने परिवार और बच्चों के साथ अच्छा समय बिता सकते हैं. ये छोटी सी लिस्ट फॉलो करने से आप क्रिसमस पर कुछ भी नही भूलेंगे।

इन बातों का रखें ख्याल

● क्रिसमस ट्री को घर के उत्तर, उत्तर-पूर्व या पूर्व दिशा में रखना चाहिए। ऐसा करने से घर में मौजूद नकारात्मकता दूर होती है, साथ ही साथ ये धन में वृद्धि करता है।

● इस बात का ध्यान रखें कि क्रिसमस ट्री का पौधा सूखा हुआ नहीं होना चाहिए, सूखे हुए पौधे नकारात्मक ऊर्जा के स्रोत माने गए हैं।

● कई लोग क्रिसमस ट्री के ऊपर फूलों और सब्जियों की बेलें आदि चढ़ा देते हैं, ऐसा बिल्कुल न करें इससे आपकी तरक्की में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

■ शिवांगी सिंह

• इन देशों में...

क्रिसमस नहीं मनाते ...

दिसंबर के महीने में क्रिसमस के त्योहार को लेकर खूब धूम रहती है। दुनियाभर में इस त्योहार को बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। वहीं, लोग अब इस बड़े दिन को सेलिब्रेट करने की तैयारी कर रहे हैं। क्रिसमस को सेलिब्रेट करने के लिए लोग अपने परिवार या दोस्तों के साथ अभी से प्लान बना रहे हैं चाहे प्लान घूमने का हो या पार्टी का। सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां क्रिसमस का बेसब्री से इंतजार किया जाता है। आपको ये पता होना चाहिए कि लीबिया में क्रिसमस कई वर्षों से नहीं मनाता है। ऐसा कहा जाता है कि क्रिसमस के मौके पर यहां के लोग अपने स्थानीय त्योहार को सेलिब्रेट करते हैं। अफगानिस्तान में आज से ही नहीं बल्कि कई सालों से क्रिसमस नहीं मनाया जाता है। इस देश के लोग क्रिसमस डे पर पार्टी मनाने के विरुद्ध हैं। अफगानिस्तान के लोगों का यह कहना है कि अफगानिस्तानी समाज अंग्रेजी त्योहार नहीं मनाता है। ईरान में भी क्रिसमस बनाना प्रतिबंधित है। यहां के लोग सिर्फ अपने धर्म को मानते हैं और धार्मिक भावना के कारण क्रिसमस नहीं मनाते हैं।

• घंटियां व केक...

❑ *यीशू के जन्म के मौके पर एक फर के पेड़ को सजाया गया था, जिसे बाद में क्रिसमस ट्री कहा जाने लगा। इसके अलावा एक और परंपरा कार्ड देने की है। इस दिन लोग एक कार्ड के जरिए अपनों को शुभकामनाएं देते हैं। बता दें कि पहला क्रिसमस कार्ड में विलियम एंगले ने भेजा था। क्रिसमस पर घर को घंटियों से सजाया जाता है और ईसा मसीह के जन्मदिन पर उनके प्रकट होने के समय उल्लास से घंटियां बजाकर खुशियां मनाई जाती हैं। मान्यता है कि घर को घंटियों से सजाने से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है। इस दिन लोगों को केक खिलाया जाता है और लोगों को बांटा जाता है।*